University in News on 12 October 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लाइब्रेरी में 87 साल बाद लगी टैगोर की प्रतिमा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि के टैगोर पुस्तकालय में 87 साल बाद गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमा स्थापित की गई है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को प्रतिमा का अनावरण कर नवीनीकृत भवन का उद्घाटन किया।

लाइब्रेरी आए बीए इकॉनमिक्स के छात्र प्रिंस ने बताया कि कई महीने पहले जब लाइब्रेरी आया था तो अनुभव बिल्कुल सामान्य था, लेकिन आज यहां का अलग नजारा है। पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के विभाग के छात्र अफजल खान ने बताया कि लाइब्रेरी के नए स्वरूप में यहां तमाम आधुनिक सुविधाएं हो गई हैं। इसमें लाइब्रेरी का स्पेशियस होना, गैलरी का बन जाना, रीडिंग हाल अच्छा जाना और तमाम खासियतें शामिल हैं।

उद्घाटन समारोह में कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी, मानद लाइब्रेरियन प्रो. केया पांडेय, डॉ. श्यामलेश तिवारी व अन्य मौजूद रहे।

मालूम हो कि टैगोर लाइब्रेरी की आधारशिला अंग्रेजी चांसलर सर हैरी हैग ने लविवि पुस्तकालय के नाम से की थी। इनके नाम का पत्थर भी लाइब्रेरी में मौजूद है। इसका उद्घाटन दो अप्रैल 1941 को चांसलर सर एम हैलेट ने किया था।

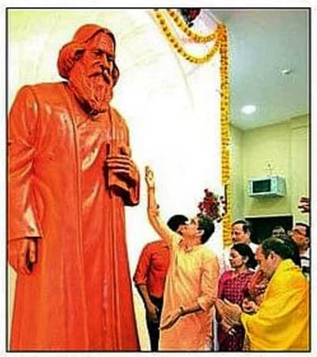

टैगोर की प्रतिमा का अनावरण करते वीसी। -संवाद

i-NEXT PAGE 8

टैगोर लाइब्रेरी में 360 लोग साथ पढ़ सकेंगे

एलयू वीसी ने रविंद्र नाथ टैगोर की प्रतिमा का भी किया अनावरण

PIC: DAINIK JAGRAN-I NEXT

LUCKNOW (11 OCT): लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीनीकृत टैगोर लाइब्रेरी का शुभारंभ वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने किया. अब यहां आधुनिक कैटलाग सिस्टम संग स्वचलित अटेंडेंस और एक साथ 360 उपयोगकर्ताओं के लिए रीडिंग रूम की व्यवस्था की गई है. रीडिंग रूम में बैठने के लिए अच्छी व्यवस्था संग मेजों पर लाइट की व्यवस्था भी की गई है. पंखों और खिड़कियों से हाल को हवादार बनाने का प्रयास किया गया है.इसके साथी ही कई अन्य सुविधाएं भी दी गई हैं.

ये नई सुविधाएं भी दी गईं

- नए काउंटर बनाए गए
- साइबर लाइब्रेरी
- आनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलाग
- ई-रिसोर्सेज
- आटोमेटेड अटेंडेंस सिस्टम के लिए आधुनिक तकनीक

प्रतिमा का भी निर्माण

टैगोर लाइब्रेरी में गुरु रविंद्र नाथ टैगोर की 10 फीट 6 इंच ऊंची और लगभग 5 फीट चौड़ी स्टोन फाइबर से निर्मित प्रतिमा का भी निर्माण किया गया है. यहां गुरु टैगोर के जीवन से जुड़े विश्वस्तरीय साहित्य को एकत्र कर कार्नर भी तैयार किया जाएगा.

TOI PAGE 4

Tagore statue at LU, a piece of fine arts

Crafted By MFA Student In 25 Days

Mohita Tewari
@timesofindia.com

V Sunil

The new statue of Rabindranath Tagore installed at Lucknow University's Tagore library (R)

Lucknow: Toiling diligently for approximately eight hours a day for a continuous span of 25 days, the newly inaugurated Rabindranath Tagore statue at Lucknow University's Tagore Library has been meticulously crafted by Arvind Singh, an MFA student, specializing in sculpture under the expert guidance of assistant professor Vibhavari Singh from the Arts College, which is also LU's faculty of fine arts.

The most recent sculptural endeavour undertaken by the students and faculty members of the Arts College for the university dates back to 2014 when an impressive Ashok Stambh was skillfully created by Vibhavari and her dedicated students. This remarkable Ashok Stambh currently stands proudly at a park adjacent to the Arts College's sculpture department, serving as a testament to their artistic prowess.

"The art of sculpting runs deep in my veins, a precious legacy inherited from my father Dayaram Singh who served as a distinguished teacher at the Arts College before his retirement a few years ago," revealed Arvind, his voice brimming with pride. "Never in my wildest dreams did I imagine that my work would garner such appreciation from the university authorities, bestowing upon me the immense responsibility of crafting this masterpiece. Although I have previously created numerous statues, this particular project posed a unique challenge due to its life-size scale."

He expressed his heartfelt gratitude towards Vibhavari ma'am, acknowledging her keen eye for talent and her unwavering support in recommending him for this prestigious undertaking.

"The university extended its full financial support to ensure the successful completion of this remarkable statue. The most demanding aspect of this endeavour was capturing the intricate features of the noble laureate, such as the eyes, nose, hair and other defining characteristics. The statue boasts a captivating terracotta hue, achieved by skillfully blending yellow and gold colours to create a mesmerizing effect," said Arvind.

JAGRAN CITY PAGE III

टैगोर पुस्तकालय में 360 विद्यार्थी एक साथ कर सकेंगे पढ़ाई

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीनीकृत टैगोर पुस्तकालय (केंद्रीय पुस्तकालय) का शुभारंभ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। उद्घाटन के साथ ही टैगोर पुस्तकालय एक नए स्वरूप में अपने पाठकों को सेवाएं देने के लिए तैयार है। आधुनिक कैटलाग सिस्टम के साथ स्वचलित उपस्थिति और एक साथ 360 उपयोगकर्ता हेतु रीडिंग रूम की व्यवस्था की गई है। रीडिंग रूम में बैठने के लिए अच्छी व्यवस्था के साथ मेजों पर प्रकाश की व्यवस्था भी की गई है। पहले छात्र ट्यूबलाइट की रोशनी में पढ़ाई करते थे। पंखों और खिड़कियों से हाल को हवादार बनाने का प्रयास किया गया है।

रविंद्रनाथ टैगोर की प्रतिमा का अनावरण कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार • जागरण

पुस्तकालय की सेवाओं को सुगम बनाने के लिए नए काउंटर बनाए गए हैं। पुस्तकालय में साइबर लाइब्रेरी, आनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलाग, ई-रिसोर्सेज, आटोमेटेड अटेंडेंस सिस्टम को और सुदृढ़ बनाने के लिए आधुनिक तकनीकि का प्रयोग किया जाएगा।

टैगोर पुस्तकालय में गुरु रविंद्र नाथ टैगोर की 10 फीट 6 इंच ऊंची और लगभग 5 फीट चौड़ी स्टोन फाइबर से निर्मित प्रतिमा का भी निर्माण किया गया है। इसी के साथ टैगोर के जीवन से जुड़े विश्वस्तरीय साहित्य को एकत्रित कर एक अलग कार्नर तैयार किया जाएगा। यह रविंद्र नाथ टैगोर पर शोध कर रहे शोधार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगा।

HT PAGE 3

Tagore library at LU which opened on Friday HT PHOTO

Refurbished Tagore Library opens at LU

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The Tagore Library of Lucknow University which was under renovation for about 10 months, was inaugurated in an all-new avatar by vice chancellor Prof Alok Kumar Rai on Friday.

Now, as soon as one enters the renovated library, one will find a 10.6 ft tall statue of polymath Rabindranath Tagore in the first section after the entrance. Along with the statue, a separate corner will also be prepared by collecting literature related to Tagore's life which will be added in the library.

The reading hall has been equipped with upgraded seating arrangements and lights above every table.

"Earlier, the lights were available only through tube lights installed on the walls. We have also tried making the hall more airy with the help of fans and windows," said university spokesperson Durgesh Srivastava.

A modern catalogue system and automatic attendance system have also been added to the library. Besides, a new issue and returns counter has been set up to facilitate the services of the library.

"We will further strengthen the library using modern technology," said Srivastava.

Honorary librarian Keya Pandey said that new reference books for competitive examinations will be added to the library along with books related to skill development and vocational education.

"Students will be allowed to carry their laptops to the reading room. The Banerjee section of the library, which was not functional for some time, has been converted into a board room and the books of the collection can be accessed from the stack room," said Pandey.

The renovation work began in December last year.

LOKSATYA PAGE 3

हॉल को और बेहतर हवादार बनाने की कोशिश

टैगोर लाइब्रेरी का बदला स्वरूप

लविवि

- **मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं, छात्रों को मिलेगा स्वस्थ्य माहौल**

लखनऊ, लोकसत्य। लखनऊ यूनिवर्सिटी की एतिहासिक टैगोर लाइब्रेरी का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है। इसमें छात्रों के लिए कई सारी सुविधाओं को शामिल किया गया है। नवीनीकृत टैगोर पुस्तकालय (केंद्रीय पुस्तकालय) का उदघाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। टैगोर पुस्तकालय को आधुनिक कैटलॉग सिस्टम के साथ स्वचलित उपस्थिति एवम एक साथ 360 उपयोगकर्ताओं के लिए रीडिंग रूम की व्यवस्था की गई है। रीडिंग रूम में छात्रों के अध्ययन करने के लिए बैठने हेतु अच्छी व्यवस्था के साथ ही इंबिल्ट टेबल लैम्प भी लगाया गया है। इससे पहले सिर्फ दीवारों पर लगे ट्यूबलाइट के जरिए ही टेबल पर लाइट आती थी। पंखों और खिड़कियों की मदद से हॉल को और बेहतर हवादार बनाने की कोशिश की गई है। जिससे छात्रों को स्वस्थ्य माहौल मिल सके। पुस्तकालय में नए इशू-रिटर्न्स काउंटर का भी निर्माण किया गया है। वहीं साइबर लाइब्रेरी, ऑन लाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग, ई-रिसोर्सेज, ऑटोमेटेड अटेंडेंस सिस्टम जैसी सुविधाएं भी छात्रों को दी जाएगी। पुस्तकालय के आर्ट गैलरी में कई दुर्लभ कलाकृतियां रखी गई हैं। इसमें कलाकृति विभाग में रखे हुए प्राचीन काल की दुर्लभ एवम ऐतिहासिक कलाकृतियों को जन सामान्य हेतु भी उपलब्ध कराया जाएगा।टैगोर पुस्तकालय में शुक्रवार को गुरु रविन्द्र नाथ टैगोर की प्रतिमा की स्थापना की गई, जो वास्तव में इस पुस्तकालय को अपनी पहचान देती है। प्रतिमा का अनावरण कुलपति द्वारा किया गया। यह प्रतिमा 10 फीट 6 इंच ऊंची और लगभग 5 फीट चौड़ी स्टोन फाइबर से निर्मित है। इसी के साथ टैगोर के जीवन से जुड़े विश्वस्तरीय साहित्य को एकत्रित कर एक अलग कार्नर तैयार किया जाएगा, जो रविन्द्र नाथ टैगोर पर शोध कर रहे शोधार्थियों हेतु अत्यंत उपयोगी साबित होगा।

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि के पुस्तकालय में संविधान की मूल प्रति और 7 लाख पुस्तकें

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: देश के संविधान की 8 मूल प्रतियां तैयार की गई थी। इसमें एक दुर्लभ प्रति लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय में देखने को मिलेगी। नवीनीकृत कर आधुनिक और हाईटेक बनाए गए पुस्तकालय का उद्घाटन कुलपति डॉ आलोक कुमार राय ने किया। 1937 में स्थापित पुस्तकालय आधुनिक समय की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया गया है।

पुस्तकालय में 7 लाख पुस्तकों की व्यवस्था की गई है। डिजिटल और ऑनलाइन पुस्तके, पीडीएफ, मोनूमेंट्स, शोध पत्र, जर्नल्स

- **देश के सबसे हाईटेक पुस्तकालय में पीडीएफ, मोनूमेंट्स, शोध पत्र, जर्नल्स भी उपलब्ध**
- **कुलपति ने किया नवीनीकृत हाईटेक पुस्तकालय का उद्घाटन**

आदि के लिए ई-लाईब्रेरी भी तैयार की गई है। यहां एक साथ 360 लोग बैठकर पुस्तकें पढ़ सकेंगे। आधुनिक कैटलॉग सिस्टम से स्वचालित उपस्थिति दर्ज की जाएगी। पहले दीवारों पर लगे ट्यूबलाइट के जरिए ही प्रकाश की व्यवस्था हुआ करती थी, अब इसमें नए तरीके से बदलाव किया गया है। सेवाओं को सुगम बनाने के लिए नया इशू रिटर्न्स काउंटर भी बनाया गया है।

आर्ट गैलरी में दुर्लभ कलाकृतियां और पेंटिंग भी

पुस्तकालय की आर्ट गैलरी में दुर्लभ कलाकृति, प्राचीन काल की दुर्लभ व ऐतिहासिक कलाकृतियों को जनसामान्य के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। पुस्तकालय में साइबर लाइब्रेरी, ऑन लाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग, ई रिसोर्सेज, ऑटोमेटेड अटेंडेंस सिस्टम के लिए नई आधुनिक तकनीकी का प्रयोग किया गया है।

टैगोर के साहित्य का अलग सेक्शन

गुरुदेव रविंद्र नाथ टैगोर के साहित्य का अलग ही सेक्शन तैयार किया गया है। इससे टैगोर पर शोध करने वाले शोधार्थियों का काम आसान हो जाएगा। 1920 में स्थापित लखनऊ विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को 1937 में निराला पुस्तकालय के नाम से शुरू किया गया था।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि के नवीनीकृत टैगौर पुस्तकालय का कुलपति ने किया उद्घाटन

- **पुस्तकालय में गुरु रवीन्द्र नाथ टैगोर की प्रतिमा की भी हुई, प्रो. आलोक राय ने किया अनावरण**

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीनीकृत टैगौर पुस्तकालय (केंद्रीयपुस्तकालय) का उद्घाटन कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने शुक्रवार को किया। उद्घाटन के साथ ही टैगौर पुस्तकालय एक नए स्वरूप में अपने पाठकों को सेवाएं देने के लिए तैयार है। आधुनिक कैटलॉग सिस्टम के साथ स्वचलित उपस्थिति एवं एक साथ 360 उपयोगकर्ताओं के लिए रीडिंग रूम की व्यवस्था की गई है। रीडिंग रूम में छात्रों के अध्ययन करने के लिए बैठने के लिए अच्छी व्यवस्था के साथ उनके टेबल पर ही प्रकाश की व्यवस्था करवा दी गई है। पूर्व में दीवारों पर लगे ट्यूबलाइट के जरिए ही प्रकाश की सुविधा थी। पंखों और खिड़कियों से हाल को और बेहतर हवादार बनाने का प्रयास किया गया है।

पुस्तकालय की सेवाओं को सुगम बनाने की दृष्टि से नए इशू रिटर्न्स काउंटर का निर्माण किया गया है। पुस्तकालय के आर्ट गैलरी में रखी गयी दुर्लभ कलाकृति विभाग में रखे हुए प्राचीन काल की दुर्लभ एवम ऐतिहासिक कलाकृतियों को जन सामान्य के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा। पुस्तकालय में वर्तमान अत्याधुनिक तरीको द्वारा दी जाने वाली सेवाओं जैसे साइबर लाइब्रेरी, ऑन लाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग, ई रिसोर्सेज, ऑटोमेटेड अटेंडेंस सिस्टम को और सुदृढ़ बनाने हेतु नई आधुनिक तकनीकी का प्रयोग किया जाएगा।

इस अवसर पर टैगौर पुस्तकालय में गुरु रविन्द्र नाथ टैगौर की प्रतिमा की भी स्थापना की गयी जो वास्तव में इस पुस्तकालय को अपनी पहचान देती है। आज इस प्रतिमा का अनावरण भी कुलपति ने किया। यह प्रतिमा 10 फीट 6 इंच ऊंची और लगभग 5 फीट चौड़ी स्टोन फाइबर से निर्मित है। इसी के साथ टैगौर के जीवन से जुड़े विश्वस्तरीय साहित्य को एकत्रित कर एक अलग कार्नर तैयार किया जाएगा जो गुरु जी पर शोध कर रहे शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा।